e-assuring INDIA

India's No.1 E-Commerce Govt. Company

54वीं वार्षिक रिपोर्ट 2018-19
54th Annual Report 2018-19

एम एस टी सी लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)

MSTC LIMITED
(A GOVT. OF INDIA ENTERPRISE)

ई-गवर्नेंस के जरिए ई-कॉमर्स, अर्थनीति एवं पर्यावरण को प्रोत्साहन
Promoting e-commerce, economy & environment through e-governance

CIN : L27320WB1964GOI026211

श्री धर्मेन्द्र प्रधान
माननीय केंद्रीय मंत्री - पेट्रोलियम और
प्राकृतिक गैस मंत्रालय, इस्पात मंत्रालय
Shri Dharmendra Pradhan
Hon'ble Minister of Petroleum and
Natural Gas and Minister of Steel

श्री फग्गन सिंह कुलस्ते
माननीय इस्पात राज्य मंत्री
Shri Faggan Singh Kulaste
Hon'ble Minister of State for Steel

श्री विनय कुमार
सचिव (इस्पात)
Shri Binoy Kumar
Secretary (Steel)

न्यू टाउन, कोलकाता में एमएसटीसी का निर्माणाधीन निगमित कार्यालय
MSTC's proposed Corporate Office Building being constructed at New Town, Kolkata

54वीं वार्षिक रिपोर्ट
54th Annual Report

विषय-सूची
Contents

निदेशक मंडल / Board of Directors	2
प्रबंधन दल / Management Team	3
दृष्टि, ध्येय और लक्ष्य / Vision, Mission and Objectives	4
वर्तमान एमएसटीसी / MSTC at Present	5
अध्यक्षीय संबोधन / Chairman's Statement	6
प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण / Management Discussion and Analysis	12
बोर्ड की रिपोर्ट / Board's Report	26
स्टैंडएलोन रिपोर्ट / Standalone Report	103
क) लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट / Auditors' Report	104
ख) सीएजी रिपोर्ट / CAG Report	121
ग) तुलन पत्र / Balance Sheet	122
घ) लाभ-हानि का विवरण / Statement of Profit & Loss	123
ङ) इक्विटी में बदलाव का विवरण / Statement of Changes in Equity	124
च) नगद प्रवाह का ब्यौरा / Statement of Cash Flow	125
छ) वित्तीय विवरणों से संबंधित टिप्पणियां / Notes on Financial Statements	126
समेकित रिपोर्ट / Consolidated Report	191
क) लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट / Auditors' Report	192
ख) सीएजी रिपोर्ट / CAG Report	207
ग) तुलन पत्र / Balance Sheet	208
घ) लाभ-हानि का विवरण / Statement of Profit & Loss	209
ङ) इक्विटी में बदलाव का विवरण / Statement of Changes in Equity	210
च) नगद प्रवाह का ब्यौरा / Statement of Cash Flow	211
छ) वित्तीय विवरणों से संबंधित टिप्पणियां / Notes on Financial Statements	212

निदेशक मंडल / Board of Directors

श्री बी. बी. सिंह
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक
Shri B. B. Singh
Chairman-cum-Managing Director

श्री ए. के. बासु
निदेशक (वित्त)
(30.11.2018 तक)
Shri A. K. Basu
Director (Finance)
(Upto - 30.11.2018)

श्रीमती भानु कुमार
निदेशक (वाणिज्यिक)
Ms. Bhanu Kumar
Director (Commercial)

श्रीमती रुचिका चौधरी गोविल
सरकारी नामित निदेशक
Ms. Ruchika Chaudhry Govil
Govt. Nominee Director

डॉ. प्रमोदिता सतीश
सरकारी नामित निदेशक
Dr. Promodita Sathish
Govt. Nominee Director

श्री जी. आर. अलोरिया
स्वतंत्र निदेशक
Shri G. R. Aloria
Independent Director

डॉ. टी. वी. मुरलीवल्लभन
स्वतंत्र निदेशक
Dr. T. V. Muralivallabhan
Independent Director

श्रीमती प्रभाती परिदा
स्वतंत्र निदेशक
Ms. Pravati Parida
Independent Director

डॉ. आर. एस. येली
स्वतंत्र निदेशक
Dr. R. S. Yeli
Independent Director

श्री सुब्रत सरकार
निदेशक (वित्त) एवं सीएफओ
(01.12.2018 से)
Shri Subrata Sarkar
Director (Finance) and CFO
(w.e.f. 01.12.2018)

श्रीमती अपर्णा चतुर्वेदी
स्वतंत्र निदेशक
(14.12.2018 से)
Ms. Aparna Chaturvedi
Independent Director
(w.e.f. 14.12.2018)

प्रबंधन दल / Management Team

श्री सुरेश माधवन
मुख्य सतर्कता अधिकारी
Shri Suresh Madhavan
Chief Vigilance Officer

श्री आर. के. चौधुरी
मुख्य महाप्रबंधक (वि व ले)
Shri R. K. Chaudhuri
CGM (F&A)

श्री सी. आर. गिरि
महाप्रबंधक (सिस्टम्स)
Shri C. R. Giri
GM (Systems)

श्री एम. पी. श्रीवास्तव
महाप्रबंधक (सीसी)
Shri M. P. Shrivastava
GM (CC)

श्रीमती वी. वसन्ती
महाप्रबंधक (अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के तकनीकी सचिव)
अतिरिक्त प्रभार (का. व प्र.)
Smt. V. Vasanti
GM (TS to CMD)
Addl. Charge (P & A)

श्री अजय कुमार राय
कंपनी सचिव एवं अनुपालन अधिकारी
Shri Ajay Kumar Rai
Company Secretary and Complaince Officer

कॉर्पोरेट पहचान संख्या :
Corporate Identification No. :
L27320WB1964GOI026211

लेखा परीक्षक
डी. के. छजर एण्ड कं.
सनदी लेखापाल

Auditors
D. K. Chhajer & Co.
Chartered Accountants

बैंकर्स	Bankers
बैंक ऑफ बड़ौदा	Bank of Baroda
बैंक ऑफ इंडिया	Bank of India
एचडीएफसी बैंक	HDFC Bank
इंडियन बैंक	Indian Bank
इंडसइंड बैंक	IndusInd Bank
पंजाब नेशनल बैंक	Punjab National Bank
भारतीय स्टेट बैंक	State Bank of India
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया	Union Bank of India
यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया	United Bank of India
येस बैंक	Yes Bank

सचिवालय लेखा परीक्षक
सौम्य ज्योति सील, अभ्यासरत कंपनी सचिव
Secretarial Auditor
Saumayo Jyoti Seal, Practising Company Secretary

पंजीकृत एवं प्रधान कार्यालय
225-सी, आचार्य जगदीश चंद्र बोस रोड,
कोलकाता - 700 020
दूरभाष : (+91-33) 2290 0964, 2287 7557/0568/9627
फैक्स : (+91-33) 2287 8547, 2240 4176
ई-मेल : mstcindia@mstcindia.co.in

पंजीयक एवं अंतरण अभिकर्ता :
मैसर्स अलंकित असाइनमेंट्स लिमिटेड
205-208, अनारकली कॉम्प्लेक्स, झंडेवालान
एक्सटेंशन, नई दिल्ली -110 055
दूरभाष सं. : +91-11-4254-1951/+91-22-4348-1200
ई-मेल : sarunraj@alankit.com/ saching@alankit.com

Registrar and Transfer Agent :
M/s Alankit Assignments Limited
205-208, Anarkali Complex, Jhandewalan Extension, New Delhi -110 055
Tel: +91-11-4254-1951/+91-22-4348-1200
E-mail: sarunraj@alankit.com/ saching@alankit.com

Registered & Head Office
225-C, Acharya Jagadish Chandra Bose Road,
Kolkata - 700 020
Phone : (+91-33) 2290 0964, 2287 7557/0568/9627
Fax : (+91-33) 2287 8547, 2240 4176
e-mail : mstcindia@mstcindia.co.in

दृष्टि, ध्येय और लक्ष्य

दृष्टि

क) विश्व बाजार में ई-कॉमर्स की शीर्ष कंपनी बनना।

ख) ट्रेडिंग के क्षेत्र में एक प्रमुख विश्वसनीय और पारदर्शी कंपनी बनना।

ग) अनुपयोगी सामग्री को टिकाऊ एवं पर्यावरण-हितैषी पुनर्प्रक्रिया के माध्यम से उपयोगी सामग्री में बदलना।

ध्येय

क) ई-कॉमर्स के व्यापक उपयोग से पारदर्शिता और बेहतर कीमत सुनिश्चित करना।

ख) परेशानी मुक्त और निष्पक्ष ई-कॉमर्स से ट्रेडिंग को शक्ति-सम्पन्न बनाना।

ग) टिकाऊ एवं पर्यावरण-हितैषी पुनर्प्रक्रिया को बल देना।

घ) निरंतर नवोन्मेष के माध्यम से अपने सभी स्टेक होल्डरों को वांछित परिमाण देना।

ङ) निरंतर अपने कार्य-क्षेत्र में नए क्षेत्र की तलाश करना तथा अपनी सेवाओं की गुणवत्ता में लगातार वृद्धि करना।

लक्ष्य

क) ई-कॉमर्स की विश्वसनीय सुगम सेवा से विश्व स्तर पर सीमा पार व्यवसाय को शक्ति-सम्पन्न बनाते हुए भारत की हिस्सेदारी में वृद्धि करना।

ख) अपने व्यवसायिक सहयोगियों को त्वरित और कुशल सेवाएं प्रदान करते हुए अपने व्यवसाय के प्रति ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाना तथा ग्राहकों की संतुष्टि में महत्वपूर्ण-सकारात्मक योगदान करना।

ग) भारत और अन्य देशों के सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की कंपनियों की लेनदेन एवं बेहतर कीमत पाने के लिए अपना सुरक्षित और पारदर्शी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराना।

घ) सक्षम, समर्पित और उत्प्रेरित कार्यबल का विकास करना।

ङ) मेटल एवं ई-वेस्ट रिसाइक्लिंग के क्षेत्र में तथा ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर भावी व्यवसाय-वृद्धि के लिए ऐसी कंपनियों से संयुक्त उद्यम की कंपनी बनाना, जो इन उपक्रमों में समन्वयक की भूमिका निभाए।

च) नियोजित पूंजी पर इष्टतम रिटर्न सुनिश्चित करने और नेट वर्थ पर 15% की वापसी हासिल करने के लिए उपरोक्त गतिविधियों को शुरू करना।

छ) रिसाइक्लिंग क्षमता निर्माण में निवेश कर और स्क्रैप के सुनियोजित निपटान के लिए अपना पारदर्शी प्लेटफॉर्म देते हुए देश में पुनर्नवीनीकरण मेटल और ई-वेस्ट वस्तुओं की मांग बनाना और उनकी आपूर्ति में वृद्धि करना।

Vision, Mission and Objectives

Vision

a) To be the global market leader in e-commerce domain.

b) To emerge as a dominant player in secured and transparent trading.

c) Creating value from waste resources through sustainable and eco-friendly recycling.

Mission

a) To ensure transparency and better price discovery through extensive use of e-commerce.

b) To ensure hassle-free and fair e-commerce enabled trading.

c) To promote sustainable and eco-friendly recycling.

d) To strive for continuous innovation to deliver desired value to our stakeholders.

e) To penetrate and expand the markets we handle and enhance the value of services we render on sustained basis.

Objectives

a) To increase India's share in global cross border trade by facilitating reliable e-commerce enabled trading.

b) To improve customer experience and make a significant positive impact on customers' satisfaction by providing prompt and efficient services to business associates, driving improved loyalty to its business.

c) To provide a secure and transparent e-commerce platform enabling better price discovery and meet the transctional requirements of Indian and cross border public and private sector enterprises.

d) To develop and maintain a competent, dedicated and motivated workforce.

e) To, enter into joint ventures with enterprises offering synergy in the area of metal and e-waste recycling, prospective business on e-commerce platform.

f) To undertake these activities so as to ensure an optimum return on capital employed and to attain a return of 15% on the net worth.

g) To build demand and increase supply of recycled metal and e-waste commodities in the country by investing in recycling capacity building and providing a transparent platform for organized disposal of scrap.

वर्तमान एमएसटीसी

9 सितंम्बर, 2018 को एमएसटीसी ने अपने अस्तित्व के 54 वर्षों को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है और विकास की लंबी यात्रा के 55 वें वर्ष के लिए अपने रास्ते पर प्रशस्त है। एक छोटी सी कैनलाइजड एजेंसी से, इसने अपने को ई-कॉमर्स की बी 2 बी सेक्टर की बड़ी कंपनी के रूप में तब्दील किया है और सार्वजनिक क्षेत्र में एकमात्र ऐसी कंपनी होने का गौरव प्राप्त किया है।

एमएसटीसी आज कच्चे माल के समर्थन और सीमलेस ई-कॉमर्स सेवाओं के लिए स्टील और पेट्रोकेमिकल क्षेत्रों में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहा है, जिसमें विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, केंद्र सरकार/राज्य सरकार और निजी क्षेत्र की कंपनियों के लिए अभिनव दृष्टिकोण है। कोयला ब्लॉकों की सफल ई-नीलामी एमएसटीसी की एक और उपलब्धि है और एमएसटीसी आज पहले की तुलना में काफी बड़ा हुआ है। भारत सरकार की कई महत्वाकांक्षी योजनांए मसलन डीडीयूजीकेव्हाई, डीईईपी (दीप), यूडीएएन (उडान), डीएसएफ बिडिंग, खनिज ब्लॉक ऑक्शन आदि का एमएसटीसी द्वारा विकसित ई-कॉमर्स पोर्टल के माध्यम से सफलतापूर्वक कार्यान्वियन किया गया। यह सबसे पसंदीदा सेवा प्रदाता और विभिन्न केंद्रीय पीएसयू, राज्य सरकारों और बड़ी निजी कंपनियों को एमएसटीसी को अपने मजबूत परिचय हेतु नामांकन आधार पर शामिल कर रही है।

एमएसटीसी आज श्रेणी-1 मिनी रत्न सार्वजनिक क्षेत्र की अनुसूची 'बी' कंपनी है जो इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन है। हाल ही में भारत सरकार नें आईपीओ के माध्यम अपने 25.10% शेयरों का विनियोजन किया है। कंपनी के शेयर बीएसई तथा एनएसई में सूचीबद्ध हैं।

1964 में एक छोटी सी ट्रेडिंग कंपनी के रूप में शामिल किया गया था, जिसमें ₹ 6 लाख रूपये की छोटी पूंजी थी। पिछले 54 वर्षों में यह एक बड़ी बहु-उत्पाद विविध कंपनी बन गई है। एमएसटीसी ने पांच बार बोनस शेयर जारी किए हैं और शेयरधारकों के मूल्य में काफी बढ़ोतरी हुई है और एक मूल शेयर अब बत्तीस शेयर है। इसने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर के अलावा सरकारी खजाने को काफी लाभांश दिया है।

एमएसटीसी अपने सीएसआर पहल के तहत पर्यावरण, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और वंचित वर्ग के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है।

एमएसटीसी कच्छे माल के संदर्भ में औद्योगिक उपयोग के लिए स्कैप के पुनर्चक्रण की सुविधा भी देता है और इससे इनपुट लागत में कमी, ऊर्जा और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण होता है और आखिरकार पर्यावरण को बचाता है इस प्रकार यह सरकार के 'स्वच्छ भारत' मिशन में काफी योगदान देता है।

एमएसटीसी ने संयुक्त रूप से एमएमपीआरएल के साथ पुनर्चक्रण (रिसाइक्लिंग) क्षेत्र में प्रवेश किया है। इस उद्देश्य हेतु ग्रेटर नोएडा में आधुनिक तकनीक सहित एक संग्रहण सह विघटन केन्द्र की स्थापना की गयी है। चैन्नई में द्वितीय केन्द्र हेतु कार्य प्रगति पर है। इस वित्तीय वर्ष में इस प्रकार के और दो संग्रहण तथा विघटन केन्द्र स्थापित किये जाने की योजना है। ये केन्द्र प्रमुख ऑटो श्रेडिंग संयंत्र हेतु आपूर्ति फीडस्टॉक के रूप में कार्य करेंगे।

एमएसटीसी आज अपने गौरवशाली अस्तित्व के 55 वें वर्ष में देश के लोगों, सरकार, हितधारकों के प्रति कंपनी में विश्वास रखने के लिए आभार व्यक्त करता है। हम अपनी व्यवसायिक गतिविधियों में नैतिक व्यवसायिक सिद्धांतों, वांछनीय शासन, प्रबंधन क्षमताओं, सामाजिक कारण, पारदर्शिता और निष्पक्षता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता दोहराते हैं।

MSTC at Present

MSTC has successfully completed 54 years of its existence on 9th September 2018 and is moving on its way to 55th year of a long journey of growth. From being a small canalized agency, it has transformed itself into e-commerce giant in B2B sector and has the distinction of being only such company in public sector.

MSTC today is rendering its services to steel and petrochemical sectors for raw material support and seamless e-commerce services with innovative approach to various PSUs, Central Government/State Government and private sector companies. Successful e-auction of coal blocks is yet another feather in MSTC's cap and MSTC today stands taller than yesterday. Many Govt. of India's flagship schemes like DDUGKY, DEEP, UDAN, DSF bidding, Mineral Block Auction etc. have been successfully implemented through e-Commerce portal developed by MSTC. It is the most preferred service provider and various Central PSUs, State Governments and Big Private sector companies are engaging MSTC on nomination basis based on its strong credentials.

MSTC today is category-I Mini Ratna Public Sector schedule 'B' company under the administrative control at Ministry of Steel, Govt. of India. Recently the Govt. of India had disinvested its 25.10% of shares through IPO. Shares of the Company are listed with BSE and NSE.

Incorporated in 1964 as a small trading company with a meagre capitel of ₹6 lakhs, in last 54 years it has grown into a large multi-product diversified company. MSTC has issued bonus shares five times and the shareholders' value has substaintially being enhanced and one original share is now thirty-two shares. It has paid substantial dividends to the Government exchequer apart from direct and indirect tax.

MSTC is committed to protection of environment, natural resources, uplift of the poor and under privileged class under its CSR initiatives.

MSTC also facilitates in recycling of scrap for industrial use in terms of raw materials and thereby reduces input cost, conserve energy & natural resources and ultimately protects the environment. Thus it contributes significantly to "Swachh Bharat" Mission of the Government.

MSTC jointly with MMPRL forayed into recycling centre. A collection and dismantling centre with a state-of-the-art centre has been set up in Grater Noida. Work is underway for second center at Chennai. Two more such collection and dismantling canters are being set up this fiscal. These canters will act as a supply feedstock for the main Auto Shredding plant.

MSTC today on its 55th year of glorious existence expresses its gratitude to the people of the country, the Government, the stakeholders for reposing faith in the company. We reiterate our commitment to ethical business principles, desirable governance, management capabilities, social cause, transparency and fairness in all its business activities.

अध्यक्षीय संबोधन
Chairman's Statement

प्रिय शेयरधारकों,

मुझे पुनः आप सभी के साथ वार्ता करने में अत्यंत खुशी हो रही है और आपने हाल के वर्षों में कंपनी के प्रति जिस आस्था और विश्वास का परिचय दिया है मैं उसके प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। हमेशा की तरह, हम केवल अपने व्यवसाय के विस्तार को सुनिश्चित तथा विकास के अवसरों को आगे बढ़ाने के प्रति ही नहीं बल्कि सतत तरीके से अपने सभी स्टेकधारकों हेतु मूल्यों के सृजन के प्रति भी प्रतिबद्ध हैं।

चुनौतियों के बावजूद, आपकी कंपनी ने प्रचालनगत स्तर पर महत्वपूर्ण विकास अर्जन किया है। हालांकि कंपनी को चालू वित्त वर्ष के दौरान घाटा का सामना करना पड़ा है परन्तु यह सिर्फ पूर्व वर्षों से संबंधित कर्ज हेतु प्रावधान किये जाने के कारण है।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान :

- कंपनी ने स्क्रैप की बिक्री में लगभग 21% बढ़ोत्तरी दर्ज किया है
- ई-सेल व्यवसाय में भी खासकर बढ़िया निष्पादन हुआ और लगभग 35% की वृद्धि दर्ज की गयी
- ई-प्रोक्योरमेंट ने लगभग 38% की वृद्धि दर्ज की
- कंपनी ने शेयरधारकों को 1:1 के अनुपात में बोनस शेयर जारी किया
- इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार के माध्यम से 29 मार्च, 2019 को कार्रवाई करते हुए भारत के राष्ट्रपति द्वारा बिक्री हेतु प्रस्ताव के जरिए कंपनी ने ₹10/- प्रति इक्विटी शेयर के दर से 1,76,70,400 का प्रारम्भिक सार्वजनिक ऑफरिंग (आईपीओ) किया है । सार्वजनिक होने के पश्चात हम स्टेकधारकों के प्रति बहुत जिम्मेवार हुए हैं और मुझे यह विश्वास है कि कंपनी अगामी दिनों में ऊँचाई के नये आयाम हासिल करेगी।

वित्त वर्ष 2018 - 19 में अपर्याप्त लाभ को ध्यान में रखते हुए कंपनी अधिनियम 2013 तथा उसके अधीन गठित नियमों के प्रावधानों के अनुसार सदस्यों को भुगतेय किसी लाभांश की अनुमति नहीं है।

एमएसटीसी के फायदे

एमएसटीसी, ई-कॉमर्स में सेवा प्रदाता के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है और यह इस क्षेत्र में अग्रणी है ब्रिक एंड मोर्टर पद्धति तथा/या किसी अन्य पद्धति के माध्यम से संचालित किसी व्यवसाय कार्यकलाप को

Dear Shareholders,

It is once again my proud privilege to communicate with you, I must sincerely acknowledge the trust and confidence you have reposed in the Company during the recent years. As always, we remain committed to pursuing growth opportunities and not only to ensuring expansion of our businesses but also creating value for all our stakeholders in a sustainable manner.

Inspite of the challenges, your Company has achieved significant growth at the operational level. Though the Company has suffered loss in the current financial year but that is only due to the provisions made for debts related to earlier years.

During the year under review;

- The Company has recorded increase of approx. 21% in sale of scrap
- E-sale business has also performed exceptionally well and has recorded an increase of around 35%
- E-procurement has recorded increase of approx. 38%
- The Company has issued bonus shares in the ratio of 1: 1 to the shareholders
- The Company has made Initial Public Offering (IPO) of 1,76,70,400 Equity Shares of ₹10/- each through an Offer for Sale by the President of India, acting through the Ministry of Steel, Government of India. 29th March, 2019. Upon becoming public we are now more responsible towards the stakeholders and I am confident that the Company will reach greater heights in near future

In view of in adequate profits for FY 2018-19, no dividend is permitted to be paid to the Members as per the provision of the Companies Act, 2013, and the rules framed there under.

MSTC Advantage

MSTC plays a very important role as a service provider in e-commerce and is a market leader in this sector. Our strength lies in our ability to convert any business activity conducted through brick and mortar method and/or in any other method to

ऑनलाईन कार्यकलाप में परिवर्तित करने की योग्यता में हमारी शक्ति निहित है। बहुत सी केन्द्रीय/राज्य सरकारों/सार्वजनिक उपक्रमों तथा निजी संस्थानों एवं अपने ग्राहकों को पारदर्शी, निष्पक्ष और निर्बाध ई-कॉमर्स सेवा प्रदान करने में हमें उत्कृष्टता प्राप्त है । एक सूचीबद्ध कंपनी के रूप में एमएसटीसी अब अखिल भारतीय स्तर पर प्राप्त अधिक मान्यता के साथ अपने सह प्रतियोगियों से बाजार व्यवस्था में संवर्धित फायदा के थोड़ा आगे अवश्य ही रहेगा। उचित मूल्यो पर गुणवत्ता तथा आला उत्पादों सहित बिचौलियों के विभिन्न स्तरों का खातमा करते हुए अंतिम उपभोक्ता तक सीधी पहुँच बनाने के साथ-साथ व्यक्तिगत कृषकों तक पहुँचने एवं उनके उत्पादन की अच्छी कीमत देने के लिए कंपनी दृढ़ प्रयास कर रही है। अतएव, एमएसटीसी निष्पक्ष और पारदर्शिता पद्धति अपनाते हुए कृषकों की आय दुगनी करने के भारत सरकार के उद्देश्य के अनुरूप किसानों के आय के स्तर को बढ़ाने तथा उपभोक्तओं की मांग के बीच एक सामंजस्य बनाये रखने में शानदार कार्य कर रहा है।

एमएमआरपीएल के साथ श्रेडिंग संयंत्र हेतु संयुक्त उद्यम

जैसा आप सभी जानते हैं कि अपने प्रचालन के क्षेत्र को विस्तृत करने तथा भारत में इस्पात उद्योग को समर्थन देने के लिए हमारी कंपनी ने रीसाइक्लिंग (पुनर्चक्रण) क्षेत्र में हमारी जेभी एमएमआरपीएल के माध्यम से कारोबार की शुरुआत की। एमएमआरपीएल भारत में इएलवी तथा अन्य व्हाइट वस्तुओं जो इस्पात संयंत्रों हेतु एक महत्वपूर्ण कच्चा माल है को श्रेडेड स्क्रैप में बदलते हुए रीसाइक्लिंग हेतु एक संगठित अत्याधुनिक अटोश्रेडिंग संयंत्र स्थापित किये जाने की ओर अग्रसर है। अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी सहित एक संग्रहण तथा विघटन केन्द्र उत्तर प्रदेश राज्य के ग्रेटर नोएडा में स्थापित किया गया है जो ऑटो श्रेडिंग संयंत्र की फीडर इकाई है। चैन्नई में द्वितीय केन्द्र हेतु कार्य प्रगति पर है। इस वित्तीय वर्ष में इस प्रकार के और दो संग्रहण तथा विघटन केन्द्र स्थापित किये जाने की योजना है। ये केन्द्र प्रमुख ऑटो श्रेडिंग संयंत्र हेतु फीडस्टॉक की आपूर्ति के लिए कार्य करेंगे।

निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर)

बन्धुओं, आपके निरंतर विश्वास, प्रोत्साहन तथा समर्थन ने ही हमें अपना कार्यनिष्पादन सुधारने के लिए प्रेरित करता रहा है। हम व्यापक रूप से समुदायों तथा सामाजिक जीविकोपार्जन को सुधारने के लिए अपनी प्रतिभागिता के प्रति वचनबद्ध हैं। हमने अधिकतर ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न तरह के समाजिक विकास परियोजनाओं को अंगीकार किया है। आपकी कंपनी ने स्वास्थ्य देखभाल, स्वच्छता तथा प्राथमिक शिक्षा पर विशेष बल दिया है और हम भविष्य में भी सामाजिक उत्थान हेतु कार्यों को जारी रखेंगे। वित्त वर्ष 2018-19 के दौरान सीएसआर कार्यकलापों पर व्यय की गयी कुल राशि लगभग ₹ 20.00 मिलियन है।

प्रचालन उत्कृष्टता

जैसा आप जानते हैं कि आपकी कंपनी देश की एक प्रमुख स्टैंडएलोन ई-कॉमर्स कंपनी है। इसके कार्य क्षेत्र में सेलिंग एजेन्सी व्यवसाय, मुख्य उत्पादों और कच्ची सामग्रियों एवं अन्य वस्तुओं की ई-बिक्री, ई-प्रोक्योरमेंट (खरीद) आदि शामिल है। अनुकूलित ई-कॉमर्स समाधान एमएसटीसी के प्रमुख व्यवसाय मॉडल के रूप में उभर कर सामने आए हैं। हमने कई यूनिक समाधान मसलन पेट्रोलियम इंडस्ट्री के लिए एग्जिम पोर्टल, एलपीजी डिलरशिप के चयन के लिए ऑनलाइन ड्रा-सिस्टम, ई-रकम (ई-राष्ट्रीय किसान एग्री मंडी) पोर्टल आदि विकसित की है।

online activity.It has the distinction of serving majority of Central/State Govt. Departments/PSUs and Private Institutions for providing transparent, fair & seamless e-Commerce services to its clients. Being a listed Company now, MSTC will be getting an added advantage in the market by remaining a little ahead from its peer competitors along with more recognition throughout the country. The Company has been making concerted efforts to reach out the individual farmers and provide them a good price for their produce at the same time reaching out to the final consumers with quality and niche products at affordable price by eliminating the different layers of middlemen. Hence, MSTC is doing splendid work to balance out the consumer demands and increase the level of income of farmers in line with the Government of India's objective to double the level of income of farmers, in a fair and transparent way.

Joint Venture for Shredding Plant with MMRPL

As you are aware, to expand our basket of operation and to support the steel industry in India, our Company through our JV MMRPL, forayed into the recycling sector. MMRPL is poised to set up one of the organized state-of-the-art auto shredding plant in India for recycling ELVs and other white goods by converting these into shredded scrap which is a vital raw material for steel plants. A collection and dismantling center with state-of-the-art technology has been set up in Greater Noida, in the state of Uttar Pradesh, as a faeder unit for the auto shredding plant. Work is underway for second center at Chennai. Two more such collection and dismantling centers will be set up this fiscal year. These centers will act as a supply feedstock for the main Auto Shredding plant.

Corporate Social Responsibility (CSR)

Friends, your continued trust, encouragement and support drive us to improve our performance. We are committed to participate in improving the livelihood of communities and societies at large. We take up verious kinds of social development projects, mostly in rural areas. Your company has given special thrust in health care, cleanliness, and primary education and will continue to work for the upliftment of society at large in future. The total amount spent on CSR Activities for the FY 2018-19 is ₹ 20.00 Million.

Operational Excellence

As you know your Company is a major standalone e-Commerce Company in the country. The area includes selling agency business, e-sale of Prime Products and raw matarials and other commodities, e-procurement etc. Customized e-commerce solutions have emerged as major innovative business model of MSTC. Here we have developed many unique solutions like Exim Portal for Petroleum Industry, Online Draw System for selection of LPG dealership, e-RaKAM (e-Rashtriya Kisan Agri Mandi) Portal etc., to name a few.

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान एमएसटीसी ने हैदराबाद महानगर विकास प्राधिकरण की ओर से कई भूखंडों का सफलतापूर्वक नीलामी की है। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण भूखंडों हेतु पोर्टल का विकास किया गया है। विगत वर्ष के 28,650 के आँकड़ों की तुलना में एमएसटीसी ने इस पोर्टल के माध्यम से 34,640 अदद नीलामी/आयोजनों को अंजाम दिया है।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान आपकी कंपनी ने कृषि मंत्रालय, भारत सरकार के निदेश पर देश भर में जैविक खेती उत्पादों की बिक्री के लिए 'जैविक खेती' पोर्टल लंच किया है। जैविक कृषक बिक्रेता तथा विभिन्न तरह के प्रोसेसर, व्यापारी तथा यहाँ तक कि व्यक्तिगत उपभोक्ता बोलीदाता के रूप में इस पोर्टल का लाभ उठाते हैं।

आपकी कंपनी अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में ई-शासन व्यवस्था तथा डीजिटल इण्डिया को बढ़ावा देने के लिए सरकारी नीति (यों) के अनुरूप ई-कॉमर्स सेक्टर में द्रुतगति से प्रगति कर रही है। पारदर्शिता और निष्पक्षता को बढ़ावा देने वाले डीजिटल इण्डिया जैसे भारत सरकार के विभिन्न प्रयासों के क्रियान्व्यन में हम सबसे आगे खड़े हैं।

पूर्वोत्तर क्षेत्र वन सम्पदा से सम्पन्न क्षेत्र है जिसमें देश के कुल वन क्षेत्र का 22.21 प्रतिशत समाहित है। कृषि अनुकूलित जलवायु ने विभिन्न प्रकार एवं उत्कृष्ट गुणवत्ता के फल, सब्जी, लकड़ी, मसाले तथा अन्य उत्पादों से इस क्षेत्र को परिपूर्ण किया है। भारत सरकार की 'लुक ईस्ट' और 'ऐक्ट ईस्ट' की नीतियों के अनुपालन में एमएसटीसी ने किसानों को लाभ पहुँचाने के लिए विभिन्न पहल किया है जिससे आगामी दिनों में समग्र पूर्वोत्तर क्षेत्र को फायदा मिलेगा। एमएसटीसी तथा नाबार्ड, नेरामैक, सीआरडब्ल्यूसी, एफपीओ आदि जैसे अन्य हितधारक द्वारा कृषि-बागवानी पारिस्थिति की प्रणालियों के समग्र विकास के लिए संयुक्त रूप से कार्य किया जा रहा है।

ई-नीलामी के माध्यम से प्रमुख एवं लघु दोनों खनिज ब्लॉक की बिक्री हेतु सरकार द्वारा की गयी हाल की पहल एमएसटीसी के लिए एक अवसर लेकर आया है और इसने अधिकांश राज्य सरकारों के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किया है जिससे राज्यों के खजाने को साकारात्मक परिणाम दिये जा सकते हैं एवं एमएसटीसी के लिए राजस्व की प्राप्ति हो सकती है।

ई-प्रोक्योरमेंट (खरीद) एमएसटीसी के लिए व्यापक क्षमता सम्पन्न एक अन्य क्षेत्र है जिसके व्यवसाय को पकड़ने के लिए कंपनी तेजी से प्रयास कर रही है। व्यवसाय के ई-प्रोक्योरमेंट डोमेन में अपनी गहरी पहुँच बनाने के लिए एमएसटीसी ने मल्टी ब्राउजर सुविधा की शुरुआत की है।

आर्थिक तथा व्यवसायिक परिवेश

भारत वैश्विक मानचित्र पर भौगोलिक क्षेत्र की दृष्टि से सातवां, जनसंख्या की दृष्टि से दूसरा तथा क्रय शक्ति समता (पीपीपी) पर जीडीपी के मामले में आर्थिक दृष्टि से तीसरा बड़ा देश है। भारत विगत कुछ वर्षों से विश्व में अर्थव्यवस्था में तीव्र गति से विकास की ओर उभरने वाले देशों में से एक है तथा अनुमान लगाया जा रहा है कि 2023 तक यह विश्व के पाँचवा सबसे बड़ा आर्थिक समृद्ध देश के रूप में खड़ा होगा। भारत जीडीपी के मामले में विगत दशक में 7.05% के औसतन जीडीपी विकास दर, जिसे भविष्य में बढ़ने की सम्भावना है, सहित विश्व के प्रथम 10 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है।

2016 में वैश्विक ई-कॉमर्स व्यवसाय मूल्य 27.7 ट्रिलियन यू.एस.डॉलर अनुमानित था। 2012-2016 की समयावधि के दौरान, वैश्विक ई-कॉमर्स ट्रेड के मूल्य में लगभग 9% सीएजीआर तक बढ़ोत्तरी हुई है।

During the year under review MSTC had auctioned successfully many plots on behalf of Hyderabad Metropolitan Development Authority. Portal for plots of Ghaziabad Development Authority has been developed. MSTC had made 34,640 no. of Auctions/ events through its portal as compared to previous year figure of 28,650.

During the year under review your Company has launched Jaivik Kheti portal for sale of organic farm produce throughout India at the behest of Ministry of Agriculture, GoI. Organic farmers serve as the sellers, and the bidders include a variety of processors, traders and even individual consumers.

Your Company is making rapid strides in the e-Commerce sector in line with the Government policy(ies) of promoting Digital India and e-governance in all sectors of the economy. We are in the forefront of the implementation of various initiatives of GoI such as Digital India to boast transparency and fairness.

North East Region is rich in forest wealth constituting 22.21 parcent of total forest area in the country. Agro Climatic condition favors growth of niche variety of fruits, vegetables, timber, spices and other products.In line with the "Look East" and "Act East" policies of the Government of India, MSTC has taken many steps with a view to benefit the farmers which will subsequently benefit the entire North East Region. MSTC and other stakeholders including NABARD, NERAMAC, CRWC, FPOs, etc. are working together for overall development of the Agri-horti Eco System in the North East Region.

The recent initiative of the Government for sale of mineral blocks, both major and minor, through e-auction has also opened window of opportunity for MSTC and it has signed agreement with most of the State Governments, which may yield positive results to the exchequer of the states and fetch revenue to MSTC.

E-procurement is another potential area in which MSTC is making a rapid stride to grab the business. MSTC has introduced multi browser facility to make much deeper dent in the e-procurement domain of business.

Economic and Business Environment

India is the seventh largest country by geographicel area, second largest country by population, and third largest economy in terms of GDP at Purchasing Power Parity (PPP). India has been one of the fastest growing emerging economies in the world over the last few years and is projected to be the fifth largest economy in the world by 2023. India is now among the top 10 economies of the world in terms of GDP, with an average GDP growth rate of 7.05% over the last decade, which is expected to increase in the future.

Global e-commerce trade value was estimated to be USD 27.7 Trillion in 2016. During the time period 2012-16, the value of e-commerce trade globally has increased by a CAGR of almost 9%.